

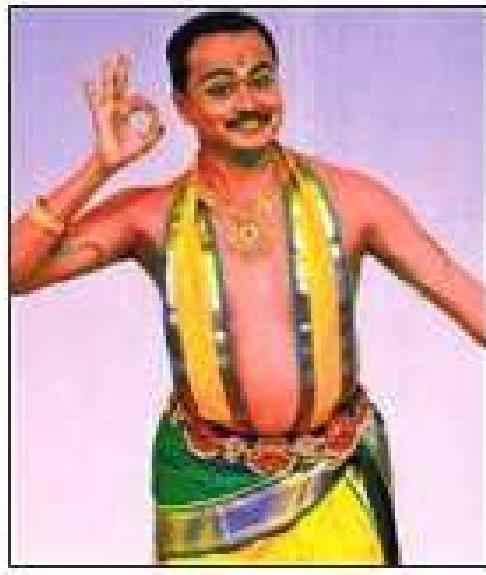
अमृत विद्यार्थी

बरेली

एक उत्कृष्ट अखबार

PAGE NO 5 : BOTTOM

गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से निकले फाल्गुन के रंग



रिहिमा में फाल्गुन के रंग में नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार।

• अमृत विद्यार्थी

बरेली, अमृत विद्यार्थी : श्रीराम मृत्ति स्मारक रिहिमा में रविवार शाम 'फाल्गुन के रंग' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से फाल्गुन के रंग निकले। तीनों विधाओं के गुरुओं ने होली गीतों को अपनी विधाओं में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत रिहिमा के गायन के विद्यार्थियों ने होली गीत रसिया छो नार बनाओ री और पिचकारी न बलाओ गिरधारी ललना, गायन गुरु शालिनी पांडेय ने होली कनक भदन में खेलत सिया रघुवीर, गुरु प्रियंका गवाल ने दीरी है अम्बुदा की डाल, गीत फूटे फागुन के, इदू परडल ने पिया तोसे नैना लागे रे गाकर ओताओं पर मन्त्रमुग्ध कर दिया। गुरु तनाया भट्टाचार्य ने भरतनाट्यम, अशु शर्मा ने खेले बुज में होली को कथक, गुरु रोमिन ए ने महाकवि जयदेव रवित अष्टपदी हरि रिहा मुग्धा दादू को भरतनाट्यम के जरिये प्रस्तुत किया। गुरु रिया श्री घटजी ने भी प्रस्तुति दी। उमेश मिश्रा (सारणी), अमर नाथ और सुमन विश्वास (तबला, ढोलक), अनुग्रह सिंह (झम, कीबोर्ड), दुकु मनी सेन (हारमोनियम), विशेष सिंह (गिटार) और जोशुना मैसी (कीबोर्ड) ने वादायत्रों से फाल्गुन के रंग विख्नेरने में मदद की। ट्रूस्ट के क्षेत्रमें देव मृत्ति, आशा मृत्ति, आदित्य मृत्ति, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुभाष मंहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शीलेश सरदेसना, डॉ. रीटा शर्मा आदि मौजूद रहे।